MASA-02

June - Examination 2016

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper - MASA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डो में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। अपना उत्तर एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में सीमित करें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है।

1) (i) ऋतुसंहार के लेखक कौन हैं?

(ii) कुमारसम्भव महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?

(iii) रूपक के कितने भेद होते हैं?

(iv) मुद्राराक्षस नाटक में कितने प्रकार की प्राकृत भाषाओं का प्रयोग हुआ है? नामोल्लेख करें।

(v) मृच्छकटिकम् ग्रन्थ की नायिका का नाम लिखें।

(vi) मृच्छकटिकम् ग्रन्थ में कितने अंक हैं?

(vii) विभत्स रस के स्थायी भाव का नाम लिखें।

(viii) मुक्तक काव्य किसे कहते है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघूत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें। उत्तर सीमा अधिकतम 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी में कीजिए।

(i) लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाजनं नमः।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।।

(ii) धूमज्योतिः सलिलमरूतां सन्निपात क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे
कामार्ता हि प्रकृति कृपणाश्चेतनाचेतनेषु।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए।

(i) अन्धस्य दृष्टिरिव पुष्टिरिवातुरस्य
मूर्खस्य बुद्धिरिव सिद्धिरिवालसस्य
स्वल्पस्मृतेर्व्यसनिनः परमेव विद्या
त्वां प्राप्य सा रतिरिवारिजने प्रनष्टा।।

(ii) यदा तु भाग्यक्षयपीडितां दशां
नरः कृतान्तोपहितां प्रपद्यते।
तदाऽस्य भित्राण्यपि यान्त्यमित्रतां
चिरानुरक्तोऽपि विरज्यते जनः।।

4) ''अर्थान्तरन्यासविन्यासे कालिदासो विशिष्यते'' इस पंक्ति की सोदाहरण विवेचना करें।

5) रूपक के दस भेदों का विभाजक तत्व बताइए।

6) 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिये।

7) मुद्राराक्षस नाटक की विशेषताओं पर संक्षिप्त लेख लिखें।

8) कालिदास की भाषा व शैली का संक्षेप में वर्णन करें।

9) मलयकेतु का चरित्र चित्रण कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें। उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में सीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) वसन्त सेना का चरित्र चित्रण कीजिए।

11) शूद्रक के व्यक्तित्व का निर्धारण व काल–विवेचन का विस्तृत वर्णन करें।

12) चाणक्य का विस्तृत चरित्र–चित्रण करें।

13) गीतिकाव्यों के उद्‌भव व विकास का वर्णन करते हुए मेघदूत का परिचय दीजिए।